



जयपुर में राजपूत समाज की महापंचायत

EWS आरक्षण 14% करने और क्षत्रिय कल्याण बोर्ड के गठन की मांग

गरीबों का सितारा

जयपुर। श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना की ओर से रविवार को जयपुर के विद्याधर नगर स्टेडियम में केसरिया महापंचायत का आयोजन किया जा रहा है। स्टेडियम को केसरिया झंडों से सजाया गया है। महापंचायत की शुरूआत पंचश्री त्रिवेणी धाम के राम रिछपाल दास महाराज के संबोधन से हुई। महापंचायत में यूपी के केसरगंज से विधायक बृज भूषण सिंह, यूपी में श्रम एवं सेवा योजना मंत्री रघुराज प्रताप सिंह, निम्स यूनिवर्सिटी के डायरेक्टर डॉ पंकज सिंह, गलता गेट के सियाराम दास महाराज, गोपाल दास महाराज, पंचमुखी हनुमान जी के महंत रामरज दास और सांवल दास

की बगिची से सियाराम महाराज पहुंचे। महापंचायत में हेलिकॉप्टर से पुष्प वर्षा की गई। महापंचायत में श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी ने कहा कि ये राजनीति का मंच नहीं है। साधु संत बैठे हैं। सभी मंत्री-विधायकों को बुलाया गया है। कुछ मुद्दों और मांगों के लिए महापंचायत बुलाई है। सीएम अगर कोई मांग मानते हैं, उनके लिए भी मंच खुला है। हमारी प्रमुख मांग है कि इंडब्ल्यूएस आरक्षण के कोट को 10 से बढ़ाकर कर 14 प्रतिशत किया जाए। आर्थिक रूप से पिछड़े सवर्णों को केंद्र की भर्तियों में जगह मिले। साधु संतों के लिए वकीलों की तर्ज पर कानून बने।

क्षत्रिय जन कल्याण बोर्ड का गठन हो

गोगामेड़ी ने क्षत्रिय जन कल्याण बोर्ड के गठन की मांग उठाई। उन्होंने कहा- महापंचायत में अकेले क्षत्रिय नहीं हैं। इनमें इंडब्ल्यूएस धारी भी हैं। हम चाहते हैं एक भारत, एक कानून हो। पहले 565 वीआईपी होते थे। आजकर 6 लाख वीआईपी हो गए। मध्यम वर्ग के लोगों के टैक्स से उनका फोन और घर चलता है। गोगामेड़ी ने बताया- यह कार्यक्रम कई मायनों में ऐतिहासिक है। इसमें प्रदेश भर के सर्व समाज से लाखों की संख्या में बच्चे बूढ़े और महिलाएं शामिल हुए हैं।



इतिहास से छेड़छाड़ पर हो कार्रवाई

गोगामेड़ी ने कहा- हमारे समाज के इतिहास और महापुरुषों कि पहचान को तोड़मरोड़ अथवा अन्य किसी समाज का बता कर पेश करने वालों के विरुद्ध सवैधानिक कार्रवाई का अधिकार दिया जाए। उन्होंने कहा- आज कई लोग ऐसे हैं जो महापुरुषों के ऊपर भी दावा टोक देते हैं। श्रीराम हमारे थे। महाराणा प्रताप हमारे थे। पृथ्वीराज हमारे थे। उनका पुरातत्व विभाग में पूरा रिकॉर्ड है। सरकार को हस्तक्षेप करके ऐसे लोगों को रोकना चाहिए। यह हमारी प्रमुख मांग है। उन्होंने कहा

कि आनंदपाल एनकाउंटर प्रकरण में समाज के कई नेताओं और युवाओं पर जो मुकदमे दर्ज हुए थे। उनमें राज्य सरकार ने कई मुकदमे वापस ले लिया। बाकी सीबीआई को रेफर कर दिए थे। हम चाहते हैं, केंद्र और राज्य सरकार दोनों मिलकर सभी मुकदमे वापस ले। उन्होंने कहा- हम सीएम की मांग नहीं उठा रहे हैं। जो सीएम जनता बना देगी। वह पूरे राजस्थान और क्षत्रियों का रहेगा। हम यह जरूर कहते हैं कि अबकी बार जो राजनीति है। वह हमारे गलियारे से होकर गुजरे।

राजेंद्र राठौड़ बने नेता प्रतिपक्ष: सतीश पूनिया को उप नेता प्रतिपक्ष बनाया

गरीबों का सितारा

जयपुर। BJP ने राजेंद्र राठौड़ को अपना नेता प्रतिपक्ष बना दिया है। रविवार को बीजेपी के नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी, पार्टी पदाधिकारियों और विधायकों की BJP मुख्यालय में बैठक के बाद शाम करीब साढ़े चार बजे इसकी घोषणा की गई। सतीश पूनिया को उप नेता प्रतिपक्ष बनाया गया। राजेंद्र राठौड़ ने कहा- मेरे जैसे जमीनी कार्यकर्ता को आज भाजपा विधायक दल का नेता चुना गया है। नई जिम्मेदारी सीपी

दल की बैठक के दौरान पूर्व विधानसभा अध्यक्ष कैलाश मेघवाल नाराज होकर चले गए। हालांकि वरिष्ठ नेताओं के समझने



है। इस दौरान वसुंधरा राजे, सतीश पूनिया और गजेंद्र सिंह शेखावत समेत पार्टी के बड़े नेता मौजूद रहे। इससे पहले विधायक

के बाद वे लौट आए। इधर, चूरू से आए राजेंद्र राठौड़ के समर्थकों ने प्रदेश भाजपा कार्यालय पर जमकर नारेबाजी भी की।

अव देर शाम बीजेपी राजस्थान कोर कमेटी की बैठक होगी। इसमें राजस्थान बीजेपी के प्रभारी अरुण सिंह और सह प्रभारी विजया रहाटकर भी मौजूद रहेंगे। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता और चौमू विधायक रामलाल शर्मा ने कहा- पार्टी हाईकमान और विधायक स्तर पर नेता प्रतिपक्ष को लेकर निर्णय हो चुका है। इसके साथ ही आने वाले चुनाव में कांग्रेस को किस तरह हराना है, इस पर भी चिंतन और मनन किया जाएगा। शुक्रवार को बीजेपी के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष, राजस्थान प्रभारी अरुण सिंह,

प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी, संगठन महामंत्री चंद्रशेखर, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्रीय प्रचारक निंबाराम और जयपुर प्रांत के प्रचारक बाबूलाल की सेवा भारती भवन में बैठक हुई थी। इसमें राजस्थान में होने वाले संगठनात्मक बदलाव के साथ ही नेता प्रतिपक्ष को लेकर चर्चा हुई। इसके बाद राजस्थान प्रभारी अरुण सिंह ने दो दिन में नया नेता प्रतिपक्ष बनने का दावा किया था। इससे पहले शुक्रवार रात बीजेपी के नवनिर्वाचित प्रदेशाध्यक्ष चंद्र प्रकाश (सीपी) जोशी ने एक ट्वीट किया था। इसमें राजेंद्र राठौड़ को नेता प्रतिपक्ष का दावा किया था। हालांकि कुछ ही देर बाद ट्वीट डिलीट कर दिया था। इस ट्वीट से सियासी हलकों में नई चर्चा शुरू हो गई थी। बता दें कि बीजेपी ने 12 फरवरी को नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया को असम का राज्यपाल बना दिया था। इसके बाद से ही राजस्थान में नेता प्रतिपक्ष का पद खाली चल रहा था।

महापंचायत में बवाल! गहलोत के मंत्री को भाषण देने पर टोका, तो मंच से ही चले गए

गरीबों का सितारा

जयपुर। राजस्थान की राजधानी में जाट महाकुंभ और ब्राह्मण महापंचायत के बाद रविवार को अनुसूचित जाति और जनजाति की महापंचायत बुलाई गई जहां मानसरोवर इलाके में शिप्रापथ पुलिस थाने के सामने एससी एसटी समुदाय की 22 लंबित मांगों पर महापंचायत का आयोजन किया गया। महापंचायत में विधानसभा चुनावों से पहले एससी-एसटी समुदाय ने अपनी लंबित मांगों को लेकर केंद्र और राज्य सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। वहीं महापंचायत में एससी-एसटी समुदाय के मंत्री और विधायक भी बड़ी संख्या दिखाई दिए। इसके साथ ही आयोजन में कुछ मंत्रियों के बोलने को लेकर विवाद हो गया जिसके बाद कार्यक्रम में खलल पड़ गई। बताया जा रहा है कि मेघवाल के नाराज होकर मंच से चले जाने के बाद मंत्री ममता भूषे, भजन लाल जाटव, टीकाराम जूली भी कार्यक्रम से चले गए।



इस दौरान मंत्रियों के खिलाफ वहां जमकर नारेबाजी भी हुई।

कार्यक्रम छोड़कर चले गए सारे मंत्री

दरअसल मंच पर अपने संबोधन के लिए जब मंत्री गोविंद मेघवाल पहुंचे तो उन्हें कहा गया कि आप मुझे की बात 2 मिनट में करो, इसके बाद नाराज होकर मंत्री ने कहा कि आप देख रहे हैं मंच पर क्या

हो रहा है, आप अपनी महापंचायत करते रहो, मैंने अपना भाषण खत्म किया और इस घटनाक्रम के बाद महापंचायत बीच में छोड़ मेघवाल वहां से रवाना हो गए। वहीं महापंचायत के दौरान एससी-एसटी के लंबित मुद्दों की मांग का मुद्दा उठा जहां दलित आदिवासी समुदाय के नेताओं ने केंद्र और राज्य सरकार के खिलाफ नाराजगी जाहिर की। नेताओं ने मंच से एक सुर में कहा कि दलित और आदिवासियों को महज वोट बैंक ना समझा जाए और जातिवाद का ठप्पा लगाकर मुद्दों को भटकाने का काम नहीं किया जाए। वहीं महापंचायत में राजस्थान सरकार के विश्वविद्यालयों में कुलपतियों की नियुक्तियों में एससी-एसटी को आबादी के अनुपात में प्रतिनिधित्व देने की मांग करते हुए 9 कुलपति नियुक्त करने की मांग की गई। इसके अलावा सरकार की भर्तियों में बैकलॉग का मुद्दा भी मंच से उठा।

अहिंसा परमो धर्म:
गमो अरिहंताणं, गमो सिद्धाणं, गमो आचरियाणं,
गमो उवज्झायाणं, गमो लोए सव्व साहूणं।

भगवान महावीर के द्वारा दी गयी शिक्षा,
उनके विचार व समाज के लिए उनका तप हमें
सदैव प्रेरित करता रहेगा।

भगवान महावीर जयंती

की हार्दिक शुभकामनाएं।

PATNI CARGO MOVERS

जयपुर-दिल्ली

फास्ट डिलीवरी | डेली सर्विस | सुरक्षा की गारंटी

C-4, Jai Govind Complex, Khajane
Walon Ka Rasta, Indira Bazar, Jaipur

Naveen Patni
09214851092

Praveen Patni
09529922255

Abhishek Patni
08502877786

PATNI CREATION

Manufacturers Of All Kinds Kurtis Of Women

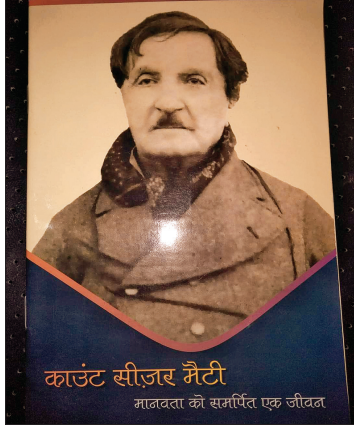
B-75, New Sachivalay Vihar, Near Swarn Place Garden,
RIICO kanta, Chowk No-3, New Sanganer Road, Jaipur

असाध्य रोगों के लिए सर्वोत्तम प्राकृतिक पद्धति है इलेक्ट्रोपैथी

100 से अधिक पद्धतियों में महत्वपूर्ण स्थान रखती है इलेक्ट्रोपैथी पद्धति

पेड़ पौधे और हर्बल प्रोडक्ट होने के कारण पर्यावरण को बढ़ावा देती है यह पद्धति

अजमेर/ब्यावर (अनिल सिखवाल)। जिस तरह से आज के इस भौतिकवादी एवं आधुनिक युग में निरंतर विकास हो रहा है उसी विकास के साथ आज नित नए नए असाध्य रोग भी जन्म लेते जा रहे हैं व्यक्ति भागदौड़ एवं थकान भरी जिंदगी में मानसिक तनाव एवं विभिन्न रोग से ग्रस्त होते जा रहे हैं मानव जाति



काउंट सीजर मैटी
मानवता की चमकित एक जीवत

यू हुआ इलेक्ट्रोपैथी पद्धति का जन्म

गरीबों का सितारा समाचार पत्र के ब्यूरो चीफ ने जब डॉ. अनुराग जटिया से पूछा कि इलेक्ट्रोपैथी के जन्मदाता कौन हैं ? और कैसे चली तब श्रीजटिया का कहना है कि काउंट सीजर मैटी ने इलेक्ट्रो होमियोपैथी चिकित्सा विज्ञान को जन्म दिया जिसे वर्तमान में इलेक्ट्रोपैथी के नाम से जाना जाता है इस चिकित्सा पद्धति के नाम को लेकर कई बार लोगों भिन्न प्रकार की भावियां अपने मन में पालते हैं साथ ही लोग ऐसा भी सोचते हैं कि क्या यह कोई करंट थेरेपी है जिसमें उपचार के लिए इलेक्ट्रिक करंट दिए जाते हैं जबकि वास्तविकता यह है कि यह न तो करंट थेरेपी है और ना ही होम्योपैथी का कोई नया रूप है यह अपने आप में एक नवीन चिकित्सा पद्धति है।

आखिर इलेक्ट्रोपैथी पद्धति क्यों अपनाएं

डॉ. अनुराग जटिया का कहना है कि अधिकांश लोग यह सवाल करते हैं कि वर्तमान समय में आयुर्वेद, एलोपैथी, होम्योपैथी जैसी अनेक विकसित पद्धतियां प्रचलित हैं फिर क्यों इलेक्ट्रोपैथी दवाओं का सेवन करें क्यों इलेक्ट्रोपैथी चिकित्सा ही बने इसका जवाब यह है कि विज्ञान हमेशा श्रेष्ठतम की खोज में रहता है विज्ञान के द्वारा किया गया सबसे बाद का आविष्कार ही श्रेष्ठ माना जाता है इलेक्ट्रोपैथी चिकित्सा विज्ञान की सबसे कम उम्र की पद्धति है काउंट सीजर मैटी का यह कोशिश रही है कि उस समय में प्रचलित सभी पद्धतियों के अवगुणों से छुटकारा कैसे मिले इस विचार ने इलेक्ट्रोपैथी को जन्म दिया तो साइड इफेक्ट ओनली इफेक्ट यह पद्धति मरीजों के लिए लाभदायक सिद्ध हो रही है।

यू समझे इलेक्ट्रोपैथी पद्धति को

वास्तव में यहाँ इलेक्ट्रो एवं होम्यो शब्द प्रयुक्त होने के कारण भ्रांति स्वाभाविक है लेकिन यहाँ पर इन दोनों को ही भिन्न प्रकार के अर्थ में प्रयुक्त किया है इलेक्ट्रो शब्द इलेक्ट्रिसिटी के अर्थ में तथा होमियो समानता के अर्थ में प्रयोग हुआ है इलेक्ट्रो मनुष्य शरीर एवं वनस्पति में भगवान के द्वारा दी हुई दो शक्तियां होती हैं पहले धनात्मक दूसरी ऋण आत्मक इन्हें शरीर की इलेक्ट्रिसिटी कहते हैं यह धनात्मक एवं ऋण आत्मक शक्तियां जब शरीर में समान होती हैं तो वह स्वस्थ अवस्था कहलाती हैं।

- होमियो: यह एक लैटिन शब्द है जिसका अर्थ है समानता अर्थात् किसी असमानता को समानता में बदलना यहाँ होमियो शब्द का उपयोग किया गया होमियो शब्द का होम्योपैथी चिकित्सा से कोई संबंध नहीं है
- पैथी: इसका अर्थ है पद्धति अथवा साइंस।

गंभीर और असाध्य रोगों के निवारण हेतु वरदान है यह पद्धति

वैसे देखा जाए तो पूर्ण रूप से प्रकृति यह पद्धति वैसे तो शरीर के सभी रोगों से लड़कर उनको खत्म करने में कारगर है लेकिन ऐसा दे रोगों के लिए भी सबसे बेहतर मानी जाती है इलेक्ट्रोपैथी की सभी दवाइ केवल पौधों के रसों से बनी हुई है अर्थात् शत-प्रतिशत पूर्ण रूप से हर्बल दवाएं हैं इलेक्ट्रोपैथी की सभी दवाइ केवल पौधों के रसों से बनी हुई है अर्थात् यह शत-प्रतिशत पूर्ण रूप से हर्बल दवाएं हैं इलेक्ट्रोपैथी दवाइ मानव के लिए हानि रहित है इन दवाओं का हानि कारक प्रभाव नहीं है अर्थात् शरीर पर किसी प्रकार का साइड इफेक्ट नहीं होता है इलेक्ट्रोपैथी दवाइ नवीन रोगों पर शीघ्र प्रभावी है गंभीर से गंभीर रोगों के निवारण में उपयोगी है यह पद्धति।



के पृथ्वी पर आगमन के साथ ही अनेक आयुर्विद्याओं का उपयोग स्वस्थ निरोग रहने के लिए मानव जाति करने लगी थी साथ ही भांति भांति के विकास एवं विज्ञान की प्रगति ने आयुर्विज्ञान को भी अद्भुत नहीं छोड़ा और विभिन्न प्रकार की चिकित्सा पद्धति विकसित हुई वर्तमान परिपेक्ष्य में 100 प्रकार की चिकित्सा पद्धति आज दिखाई देती है यदि एक ही पद्धति अपने आप में पूर्ण होती तो आज इन अलग-अलग पद्धतियों की आवश्यकता नहीं होती वैसे भी सभी पद्धतियां अपना-अपना महत्व रखती हैं इस उद्देश्य से यदि देखा जाए तो इलेक्ट्रोपैथी पद्धति भी अपने आप में महत्वपूर्ण है अब तक की जितनी भी पद्धतियां आईं उनमें से इलेक्ट्रोपैथी पद्धति अलग स्वरूप है कम समय में त्वरित गति से चारों ओर अपने पंख पसार रही है साथ ही लोगों के इलाज के लिए सबसे कारगर हो रही है।

बीकानेर प्रेस क्लब के चुनाव सम्पन्न: भवानी जोशी अध्यक्ष कुशल सिंह मेड़तिया महासचिव कोषाध्यक्ष सुमित व्यास

गरीबों का सितारा

उमेश कुमार मोदी/बीकानेर। बीकानेर प्रेस क्लब के रिवार को चुनाव सम्पन्न हुए। कुल 133 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। दिनभर मतदान के बाद शाम को नतीजे घोषित किये गये। घोषित नतीजों के मुताबिक अध्यक्ष पद के लिए भवानी जोशी को 77 मत मिले। जबकि उनके प्रतिद्वन्दी नीरज जोशी को 52 मतों से संतोष करना पड़ा। ऐसे में भवानी जोशी को 25 मतों से अध्यक्ष निर्वाचित घोषित किया गया इसी प्रकार से महासचिव पद के लिए कुशल सिंह मेड़तिया



को 71 मत मिले। जबकि उनके प्रतिद्वन्दी धीरज जोशी को 50 मत मिले। ऐसे में मेड़तिया को महासचिव पद के लिए 21 मतों से निर्वाचित घोषित किया गया जबकि कोषाध्यक्ष पद के लिए सुमित व्यास को 78 और नरेश मारू को 55 मत मिले। ऐसे में व्यास को कोषाध्यक्ष निर्वाचित घोषित किया गया दूसरी ओर बीकानेर के प्रेस क्लब के चुनाव में पहली दफा इस बार ऐसा हुआ है कि परम्परा को तोड़ते हुए क्लब के पदाधिकारी विजयी हुए हैं। अब तक प्रेस क्लब के पदाधिकारी शहर परकोटे से ही चुने आ रहे हैं।

मगवान महावीर के द्वारा दी गयी शिक्षा, उनके विचार व समाज के लिए उनका तप हमें सदैव प्रेरित करता रहेगा।

मगवान महावीर जयंती

की हार्दिक शुभकामनाएं।

लॉयन उत्तमचंद भंडारी
समाजसेवी एवं भामाशाह ब्यावर (राजस्थान)

बेटियों को आगे बढ़ाने के लिए करने होंगे समन्वित प्रयास - ऊर्जा मंत्री

गरीबों का सितारा

जयपुर। ऊर्जा मंत्री भंवर सिंह भाटी ने कहा कि आज के दौर में बेटियां किसी से कम नहीं हैं। बेटियों ने प्रत्येक क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। ऊर्जा मंत्री राजस्थान दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में बीकानेर की रामपुरा बस्ती में आयोजित में बालिका सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रतिभाशाली बेटियों को प्रोत्साहित करना अच्छी पहल है। इससे दूसरी बेटियों को भी प्रेरणा मिलेगी। उन्होंने कहा कि शिक्षा, चिकित्सा, खेल और विज्ञान सहित प्रत्येक क्षेत्र में बेटियां सफलता के आयाम स्थापित कर रही हैं। उन्होंने बेटियों को पढ़ाने और आगे बढ़ने के भरपूर अवसर देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि बेटियां किसी से कम नहीं हैं। वे अपनी शक्तियों को पहचानें और आगे बढ़ें। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि बेटियों को चाहिए कि वे सफल महिलाओं के जीवन से प्रेरणा लेते हुए आगे बढ़ें और देश में परिवार और समाज का नाम रोशन करें। इस अवसर पर ऊर्जा मंत्री भाटी ने खेलकूद में अंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय एवं जिला स्तरीय प्रतिभावां 71 बालिकाओं का प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिन्ह एवं मेडल देकर सम्मान किया। आयोजन प्रभारी श्री शैलेन्द्र गोदारा ने बताया कि छोटे-छोटे प्रयासों से ही लक्ष्य को हासिल कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि अपनी बहन-बेटियों के लिए बेहतर मंच उपलब्ध करवाएं, यह हमारा सामूहिक दायित्व है। इस दौरान स्थानीय नागरिकों ने मंत्री श्री भाटी को रामपुरा बाईपास नई रोड सुचारु करवाने, पानी, नाली, सड़क एवं विभिन्न समस्याओं से अवगत करवाया।

बीकानेर कलाकार टीम ने अपना घर सेवा आश्रम में बच्चों को दिये जरूरतमंद सामान

गरीबों का सितारा

उमेश कुमार मोदी/बीकानेर। बीकानेर कलाकार टीम अपने सेवा प्रकल्प को आगे बढ़ाते हुए आज अपना घर सेवा आश्रम पवनपुरी में बच्चों के जरूरत के सामान भेंट किए दीपिका बोथरा ने बताया आने वाली गर्मियों को देखते हुए बच्चों के लिए पंखे पानी ठंडा रहने के लिए कैम्पर और रोजमर्रा के जीवन में काम आने वाले सामान भेंट किए गए बीकानेर कलाकार टीम समय समय पर सेवा के प्रकल्प करता रहता है इस नेक कार्य में विनय हर्ष, अजय सिंह, असलम खान, असलम अली, आशीष भाटी, सुधा चौधरी, मानसी जयपाल, सानू पुरोहित, मुकेश उपाध्याय, मोहित कटेल, राकेश कुमार, राम चंद्र मौजूद रहे।



महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव

के पावन पुनीत अवसर पर आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं

श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति

श्री वर्द्धमान कन्या पी.जी. महाविद्यालय | भंवरलाल गोठी पब्लिक सीनियर सैकेण्ड्री स्कूल
वर्द्धमान इन्टरनेशनल स्कूल | श्री नृसिंह अग्रसेन जैन विद्यापीठ | वर्द्धमान स्पोर्ट्स एकेडमी
वर्द्धमान इन्स्टीट्यूट ऑफ फैशन डिजाईनिंग एण्ड मेकअप आर्टिस्ट, ब्यावर

जिस राज्य सरकार के पास पूरे राजस्थान में एक भी सीटी स्कैन, एमआरआई, पीईटी स्कैन, नहीं है, वह सरकार राइट टू हेल्थ की बात करती है।

वाह साहब!

प्रश्न- आपमें से अधिकतर व्यक्ति अपना व अपने परिवार के सदस्य का ईलाज प्राईवेट अस्पताल में क्यों कराता है ?
उत्तर- प्राईवेट अस्पताल की गुणवत्ता सरकारी अस्पताल से कई गुणा अच्छी है।
प्रश्न- दो टाईम की रोटी भी मुश्किल से कमाने वाला मजदूर भी अपना ईलाज सरकारी हॉस्पिटल में क्यों नहीं करवाना चाहता ?
उत्तर- प्राईवेट अस्पताल की गुणवत्ता सरकारी अस्पताल से कई गुणा अच्छी है।
प्रश्न- क्या चिकित्सा एक व्यवसाय है ?
उत्तर- राज्य सरकार ने शिक्षा एवं चिकित्सा को लगभग 30 वर्ष पहले ही व्यवसाय घोषित कर दिया है।
प्रश्न- क्या किसी व्यवसाय पर ऐसा काला कानून थोपा जा सकता है ?
उत्तर- नहीं

पब्लिक हेतु जानकारियां

एक प्राईवेट अस्पताल चलाने के लिये कितना खर्चा होता है ?

1. व्यावसायिक दर पर जमीन
2. भवन के निर्माण की लागत बहुत अधिक
3. बिजली व्यवसायिक दर पर
4. पानी व्यवसायिक दर पर
5. आज चिकित्सा उपकरण (मशीन) बहुत महंगे हैं (करोड़ों में) क्या आपको मालूम है आंख का चश्मा उतारने वाली मशीन की कीमत आठ करोड़ रुपये है।
6. हर साल नई तकनीक आ रही है अतः 4 से 5 साल बाद चिकित्सा उपकरण (मशीन) नई आ जाती है जिसकी कीमत पुरानी मशीन से लगभग डेढ़ गुना होती है।
7. पुराने चिकित्सा उपकरणों (मशीन) को कोई कोड़ी के भाव भी नहीं लेता।
8. बैंक लोन की ईएमआई (किस्त) देनी होती है।
9. कर्मचारियों की तन्ख्वाह
10. लाईसेंस को लेने के लिये एवं उनके नवीनीकरण के लिये हर सालया दो साल फीस जमा करानी होती है।
11. मशीन की कीमत के अलावा हर साल 8 प्रतिशत मैटीनेंस कीमत अलग से जाती है।
12. अलवर का एक भी निजी हॉस्पिटल रियायती दर जमीन पर नहीं बना हुआ है।

IMA, ALWAR